

**SHRI JANARDHANA POOJARY:** The Central Government may kindly facilitate speedy implementation of the ONGC project as per the MoU.

**SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka):** Sir, the Government of Karnataka ...*(Interruptions)*...

**SHRI K.B. KRISHNAMURTHY (Karnataka):** Sir, this is a very important matter. ...*(Interruptions)*...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*  
I agree with you, but this is Special Mention. Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*

**SHRI JANARDHANA POOJARY:** Sir, this is a very serious matter. ...*(Interruptions)*

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** This is a Special Mention. Whatever you have given earlier, which has been permitted by the Chairman, only that will go on record. If you want to raise any other issues, which you want to discuss, give a notice according to the rules, and that will be considered by the Chair.

### **Concern over Severe Power Crisis in Vidarbha region in Maharashtra**

**श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र):** उपसर्गपति महोदय, बिजली की भारी कमी के चलते आज महाराष्ट्र के समूचे विदर्भ क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। विदर्भ में 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन होने के बावजूद यह विदर्भ की जनता का दुर्भाग्य है। रोज-रोज की बिजली कटौती से गुस्साये लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शहर में चार घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 9 घंटे लोड शेडिंग से जहां विदर्भ के उद्योग-व्यापार एवं कृषि उत्पादन पर असर पड़ेगा, वहीं विदर्भ की अर्थ-व्यवस्था भी चौपट हो जायेगी।

महाराष्ट्र सरकार ने विद्युत की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई पन-बिजली परियोजनाएं स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार के पास पिछले 5-6 वर्षों से प्रस्ताव भेज रखे हैं, लेकिन केन्द्र सरकार ने अभी तक एक भी प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी है। एन०टी०पी०सी० का नागपुर जिले में मौदा में कोयले पर आधारित एक ताप-विद्युत संयंत्र लगाने का प्रस्ताव था। महाराष्ट्र सरकार ने वर्ष 2003 में ही अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी थी, लेकिन यह विद्युत संयंत्र अभी तक नहीं लगा और नतीजा

यह है कि विद्युत संकट और भी गंभीर हो गया है। चार विद्युत संयंत्र बंद होने और तीन खराब होने के कारण 1292 मेगावाट बिजली उत्पादन घट गया है। परिणाम-स्वरूप राज्य को गंभीर बिजली संकट से जूझना पड़ रहा है।

महोदय, केन्द्र सरकार को, सईद साहब, सुनिए, आपके लिए है, केन्द्र सरकार को तुरन्त इस मामले में महाराष्ट्र सरकार की सहायता के लिए आगे आना चाहिए और विदर्भ की अर्थ-व्यवस्था को चौपट होने से बचाना चाहिए। ... (व्यवधान) ... सर, सईद साहब को इसे देखना चाहिए। ... (व्यवधान) ...

† श्री अबू आसिम आज़मी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एसोसिएट करता हूँ।

† [شری ابو عاصم اعظمی : سر، میں ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔]

श्री वसंत चव्हाण (महाराष्ट्र): सर, मैं एसोसिएट करता हूँ।

श्री दत्ता मेघे: सईद साहब, जरा एकाध मिनट इस पर बोलिए। ... (व्यवधान) ...

THE MINISTER OF POWER (Shri P.M. Sayeed): Sir, it is true that Maharashtra is facing acute power shortage. Almost 3,400 MW of power shortage is there. This is also true in the case of many major States. For the past ten years, States like U.P. have not added even 100 MW to power generation. So, this acute shortage is there in many of the States, which have not added to any power generation for a decade. In this connection, Maharashtra Chief Minister met me, and we discussed this issue. He is again going to meet me today at 2 O'clock. We will try to help Maharashtra in whatever possible way we can.

### **Demand for recognition by the President of India of the talented students in the Country**

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ (Jammu & Kashmir): Sir, I was fascinated to learn recently that the American system of education, it is possible for U.S. Presidents to establish contact with the students at any stage in the school system, and appreciate their spectacular achievement. I was doubly and pleasantly surprised when I found that the U.S. Presidents have not only been issuing testimonials to students for their

† Transliteration in Urdu Script.